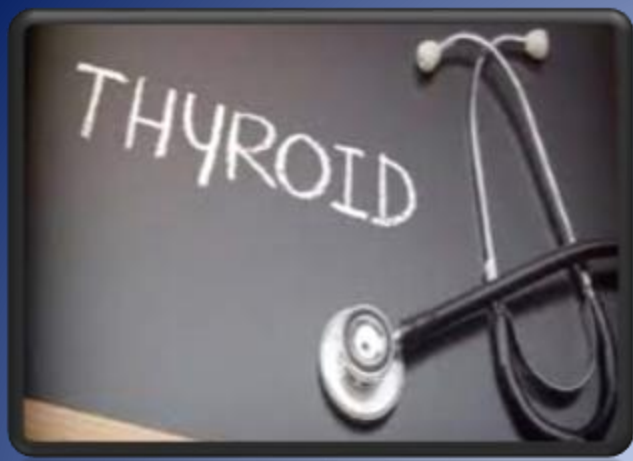


Welcome to information about Thyroid capsule





Thyroid की जानकारी

इस दवा का उपयोग विशेष रूप से हाइपोथायरायडिज्म का इलाज करने के लिए किया जाता है। इस दवाई Thyroid को अन्य दिक्कतों में भी काम लिया जा सकता है, जिनके बारे में नीचे बताया गया है। Thyroid की उचित खुराक मरीज की उम्र, लिंग और उसके स्वास्थ्य संबंधी पिछली समस्याओं पर निर्भर करती है। यह खुराक मरीज की परेशानी और दवा देने के तरीके पर निर्भर करती है। विस्तारपूर्वक जानने के लिए खुराक वाले भाग में पढ़ें। Thyroid के ये दुष्प्रभाव आमतौर पर अस्थायी होते हैं और इलाज के पूरा होने के साथ ही समाप्त हो जाते हैं। हालांकि अगर ये समस्याएं लंबे समय तक बनी रहती हैं तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

गर्भवती महिलाओं पर Thyroid का प्रभाव सुरक्षित होता है और स्तनपान कराने वाली महिलाओं पर इस दवा का प्रभाव सुरक्षित है। आगे Thyroid से जुड़ी चेतावनियों के सेक्शन में बताया गया है कि Thyroid का लिवर, हार्ट, किडनी पर क्या असर होता है।



यह दवा शरीर के चयापचय को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और हृदय और पाचन तंत्र के कार्यों को नियंत्रित करती है। यह हड्डियों को भी मजबूत रखता है, मस्तिष्क के विकास में मदद करता है और मांसपेशियों के विकास को नियंत्रित करता है। पिट्यूटरी ग्रंथि के कामकाज के साथ समस्याएं।

About Thyroid;- THYROID is a synthetic thyroid hormone that works by replacing the thyroid hormone in the body when the natural production of thyroid hormones is not sufficient to meet the needs of the body. THYROID is primarily taken for treatment of hypothyroidism or low secretion of thyroid hormone. It comprises thyroid which is a synthetic thyroid hormone that is chemically similar to thyroid produced by our thyroid gland.

Thyroid helps to replace missing thyroid hormone to relieve stress on the thyroid gland.

MANMESH
INDUSTRIES
PRIVATE
LIMITED



Hypothyroidism is a chronic condition in which our thyroid gland (located below the throat in the neck) is not able to produce enough thyroid hormone. Thyroid hormones are composed of tri-iodothyroid (T3) and thyroxine (T4) which controls the body's metabolism. In the condition of underactive thyroid body's metabolism slows down and the person feels less energetic. Other symptoms include easy fatiguability, constipation, weight gain, feeling cold even in warm weathers, dry skin or too much or too fewer menses (in women) or even low mood. Treatment of hypothyroid is essential to restore the normal body metabolism (basal metabolic rate).

इस समय भारत में बहुत तेजी से फैल रहा है. भारत में थायरॉइड के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है. हाल ही में डायग्नोस्टिक चैन एसआरएल द्वारा प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक 32 फीसदी भारतीय थायरॉइड से जुड़ी कई तरह की बीमारियों के शिकार हैं. थायरॉइड से संबंधित सबसे आम बीमारी 'सबक्लिनिकल हाइपोथायरॉइडिज्म' है, जिसका पता लोगों को आमतौर पर नहीं चल पाता.

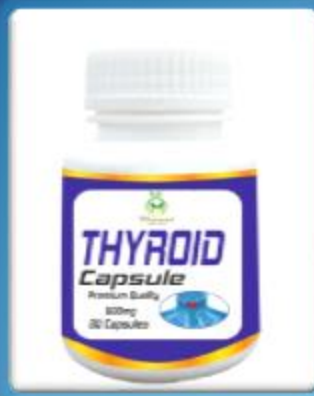


THYROID

you are experiencing any of the above symptoms, your doctor will advise you to undertake a blood test called 'thyroid function test' which checks three hormones related to thyroid - TSH, T3, T4. High TSH and low T3/T4 indicates that your thyroid gland is not functioning normally. The dose of THYROXINE is adjusted by your doctor on the basis of your body weight and thyroid function test report. It may take some weeks for the medicine to fully show its effects. Regular monitoring of thyroid function is advised to ensure that you receive the optimum dose of THYROID.

THYROID controls an underactive thyroid gland (hypothyroidism) and minimizes symptoms of low thyroid hormones like unknown weight gain, fatigue, sensitivity to the cold and many more. Thus, it helps in replacing the body's own natural thyroid hormone essential for maintaining both mental and physical health.

MANMESH
INDUSTRIES
PRIVATE
LIMITED



थाइराइड की बीमारी में क्या खाएं, क्या ना खाएं



थायराइड कम हो तो क्या खाएं?

कम कैलोरी वाला आहार (अंगूर, सेब, खरबूजा, ब्रोकली, फूलगोभी, बीन्स, गाजर, चुकंदर) हरी पत्तेदार और रंगीन सब्जियां (भिंडी, लौकी, मेथी, पालक, बैंगन, टमाटर, करेला) प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ (दाल, दही, अंडा, चिकन, मछली) सूखे मेवे और बीज (अखरोट, सूरजमुखी के बीज आदि)

हाइपो थायराइड में क्या नहीं खाना चाहिए?

यदि आपको हाइपोथायरायडिज्म की समस्या है, तो आप हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन ना करें या बेहद कम करें। इसमें कई तरह के साग जैसे पालक, सरसों का साग, केल आदि ना खाएं। साथ ही कुछ सब्जियां जैसे फूलगोभी, ब्रोकली, पत्तागोभी भी कम ही खाएं। ये लक्षणों को ट्रिगर कर सकती हैं।



हाइपोथायरॉइडिज्म का मंद रूप सबक्लिनिकल हाइपोथायरॉइडिज्म है, जो देश में थायरॉइड का सबसे आम विकार है और इसका निदान बिना चिकित्सा जांच के संभव नहीं है. जब आपको पता चलता है कि आपको थायरॉइड है, तो डॉक्टर आपको एक दवा देता है. इस दवा के सेवन से फायदा महसूस होने पर अक्सर लोग इसे अनदेखा भी करने लगते हैं. यह दवा नियमित लेनी होती है, लेकिन अगर इसे लेने में लापरवाही बरती जाए तो यह कई परेशानियों को जन्म दे सकती है- -

The thyroid gland is a vital hormone gland: It plays a major role in the metabolism, growth and development of the human body. It helps to regulate many body functions by constantly releasing a steady amount of thyroid hormones into the bloodstream.

MANMESH
INDUSTRIES
PRIVATE
LIMITED



Thank
You



Manameshind.com



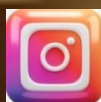
[Manamesh Industries Pvt Ltd](#)



Manamesh47@gmail.com



[Manamesh industries pvt ltd](#)



[Manamesh47](#)



[7428404356,8700992960](tel:7428404356,8700992960)

MANMESH
INDUSTRIES
PRIVATE
LIMITED